10/10/24 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित नहीं। वकील वादी को वक्फ-वक्फ कर बार-बार आवाजे लगाई गई। वादीगण की ओर से असालतन/वकालतन कोई उपस्थित नहीं। पत्रावली इसी स्तर पर अदम पैरवी/अदम हाजरी में खारीज की जाती है। पत्रावली निर्णय में शुमार होकर बाद तकमील दफ्तर दाखिल हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Amita Bishnoi
Date: 2024.10.15 13:19:20 IST
Reason: SelfAttested